

देवो में सब से बड़े मेरे महादेव है

देवो में सब से बड़े मेरे महादेव है,
सर्पों की गले माल चन्द्रमा सोहे बाल अद्भुत महादेव है,

हे त्रिपुरारी हे गंगा धारी श्रृष्टि के शिव तुम तो आधार हो,
मृग शाळा धारी भस्मी अधारी भगतो की करते नैया पार हो,
जो भी तेरे दर पे आये पुरे मन से मन की मुरादे जरूर पाए,
उमरु की धुन से कष्ट मिटे तन के सपने वो मन के जरूर पाए,
उम डम उमरु वजे देखे सभी देव है,
सर्पों की गले माल चन्द्रमा सोहे बाल अद्भुत महादेव है,

धरती के कण कण में हो समाये जय जय सारे जग के लोग करे,
लीला है न्यारी नंदी की सवारी भांग धतूरे का भोग करे,
भस्म रमाते है तंद मूल खाते तन पर पैगम्बर का बेष किया है,
त्रि नेत्र धारी के खेल है निराले जटा जुट जोगी का वेश किया है,
माँ गंगे इनकी जटा करती अभिषेक है,
सर्पों की गले माल चन्द्रमा सोहे बाल अद्भुत महादेव है,

श्री राम जी की हनुमान जी की शक्ति मिले इनके दरबार में,
शंकर अवतारी विष प्याला धरी,
नाम नील कंठ पड़ा संसार में,
देव असुर सब ने हार मान ली थी तब शिव शम्भू ने ये काम किया था
पी के विष की गगरी गले में समाई मिटा के मुसीबत निहाल किया था,
मैं क्या कहूँ मैं कुछ नहीं सब से अलग देव है,
सर्पों की गले माल चन्द्रमा सोहे बाल अद्भुत महादेव है,

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16427/title/devo-me-sab-se-bde-mere-mahadev-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |